also. I want a categorical answer from the Minister, at least, some sort of response from the Government. Otherwise, the efforts of the weavers who have come all the way from East Godavari District by covering a distance of 2400 kms by walk in 45 days to reach Delhi will go waste. Sir, I need some positive reaction from the hon. Minister who is known for his positive reaction. Thank you, Sir.

SHRI PENUMALLI MADHU (Andhra Pradesh): We want a categorical answer.

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी) : सर, आन्ध्र प्रदेश में हैंडलूम वीवर्स प्रकरण से संबंधित जो मामला माननीय सदस्य ने उठाया है, इस संबंध में, हैंडलूम डेवलेपमेंट कमिश्नर श्री सिन्हा ने यह सूचित किया है कि जो हैंडलूम वीवर्स हैं, उनकी परेशानियों को दृष्टिगत रखते हुए एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया गया है। इस हाई लेवल कमेटी को कुछ कार्य सौंपे गये हैं, जिनमें राज्य सरकार की जो हैंडलूम वीवर्स की कठिनाइयों को दृष्टिगत रखते हुए, जो समय-समय पर सिफारिश की गई हैं, उनकी क्या-क्या कठिनाइयां हैं, मैं उनके विस्तार में नहीं जाना चाहूंगा, उनकी डिटेल्स मेरे पास उपलब्ध हैं, उन सभी की समीक्षा करेगी। साथ ही, समीक्षा करने के उपरांत जो समुचित कारगर कदम उठाये जा सकते हैं, उनको भी विचारार्थ सरकार के सामने प्रस्तुत करेगी। यह निर्णय राज्य सरकार के द्वारा लिया गया है। निसंदेह हैंडलूम वर्कर्स को जिन दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, यह चिंतनीय भी है और इसको हम लोग काफी गंभीरता से लेते हुए ही यह कदम उठा रहे हैं।

Resentment over presence of a sniffer dog around the memorial of Father of the Nation

श्री कृपाल परमार (हिमाचल प्रदेश): उपसभापति महोदय, मैंने नोटिस दिया है। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : देखिये, it is not yet admitted.

श्री कृपाल परमार : उपसभापति महोदय, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि पर ...(व्यवधान)... सुरक्षा के नाम पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान किया गया है। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : देखिये, यह सब ...(व्यवधान)...

श्री कृपाल परमार : उपसभापति महोदय, यह राष्ट्र के सम्मान का विषय है। ...(व्यवधान)... राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि पर पर कुत्ते घुमाये गये।...(व्यवधान)... यह राष्ट्र का अपमान है। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : दो मिनट, दो मिनट, दो मिनट कितने हो जाते हैं।...(व्यवधान)...

श्री राजीव शुक्ल (उत्तर प्रदेश) : आप ही की बात कह रहा हूं।...(व्यवधान)...

श्री बलबीर के.पुंज (उत्तर प्रदेश) : आप बैठिए, आप बैठ जाइए।...**(व्यवधान)**...

श्री कृपाल परमार : सर, मैंने नोटिस दिया है, मुझे अलाऊ कीजिए।...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : नोटिस तो है। ...**(व्यवधान)**...

श्री राजीव शुक्ल : मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या पहले भी राजघाट पर इस तरह की सिक्योरिटी हुई है? ...**(व्यवधान)**...

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा) : आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**... बैठिए, बैठिए।...**(व्यवधान)**... एक तो आपका नोटिस टाइम के बाद आया है, मैंने आपको चेंबर में बताया था। दूसरी बात यह है कि आपने यह सवाल लिखा है कि राष्ट्र सम्मान का विषय है - यह सब ठीक है। अब इसको फाइंड आउट करना है कि पहले कभी इस तरह से हुआ था या नहीं क्योंकि...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्तरांचल) : यह जवाब सरकार दे देगी।...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : गवर्नमेंट को भेजा है न...**(व्यवधान)**... आप इतनी छोटी बात पर क्यों इधर आ जाते हो? ...**(व्यवधान)**... यह आदत मत डालिए।...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराज : यह जवाब सरकार दे देगी।...**(व्यवधान)**...

श्री कृपाल परमार : सर, अगर पहले भी हुआ है तो...**(व्यवधान)**... ऐसा क्यों हुआ? ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : मंत्री जी, आप कुछ बोलेंगे? ...**(व्यवधान)**... बोलिए।...**(व्यवधान)**...

श्री राजीव शुक्ल : *

श्री उपसभापति : शुक्ल जी, मिनिस्टर रिएक्ट करना चाहते हैं, आप बैठिए।...**(व्यवधान)**... शुक्ल जी, आप बैठिए।...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : आप यहां मत आइए।...**(व्यवधान)**... यह बात ठीक नहीं है। ...**(व्यवधान)**... नहीं, नहीं। वह निकाल देंगे।...**(व्यवधान)**... आप जाओ।...**(व्यवधान)**... आप जाइए...**(व्यवधान)**... आप वापस जाइए...**(व्यवधान)**...शुक्ल जी...**(व्यवधान)**... यह सब रिकार्ड में नहीं जाएगा।...**(व्यवधान)**... आप बैठ जाइए, प्लीज़ बैठ जाइए।...**(व्यवधान)**... नहीं, नहीं...**(व्यवधान)**...

श्री कृपाल परमार : मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : अब मंत्री जी रिएक्शन...**(व्यवधान)**... अब मंत्री जी...**(व्यवधान)**... That is not going on record. आप बैठिए, आप बैठिए।

---

* Not recorded.

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार) : वे कैसे इस...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : नहीं, नहीं। वह निकाल दिया गया है। आप बार-बार क्यों उठाते हो? आप बैठिए।...**(व्यवधान)**... आप बैठिए।...**(व्यवधान)**... अब मंत्री जी...**(व्यवधान)**...

श्री बलबीर के0 पुंज : आप उन्हें रेज़ तो करने दीजिए।...**(व्यवधान)**... Please allow us to raise this. ...*(Interruptions)*...

श्री कृपाल परमार : मैं यह जानना चाहता हूं...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : देखिए, आपने यह सवाल रेज़ किया है...**(व्यवधान)**... मैंने अलाऊ किया...**(व्यवधान)**... सवाल सिर्फ इतना है। आप बैठिए, शुक्ल जी।...**(व्यवधान)**... सवाल यह है कि क्या बिन्फर डॉग्ज़ वहां महात्मा गांधी की समाधि पर गए थे? यह सवाल है, इतना ही सवाल है, उससे ज्यादा उसमें कुछ नहीं है। इसलिए उस पर मंत्री जी रिएक्ट कर रहे हैं...**(व्यवधान)**...

श्री कृपाल परमार : पहले मुझे मेरी बात तो रख लेने दीजिए।...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : नहीं, उससे ज्यादा क्या है? ...**(व्यवधान)**... जो विषय आपने ...**(व्यवधान)**...

श्री कृपाल परमार : जब तक हम अपनी बात न रखें, वे कैसे उत्तर दे देंगे? ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : बात यही है न। आपने जो नोटिस दिया है, वह यही है। ...(व्यवधान)... वे जवाब दे रहे हैं।...**(व्यवधान)**...

श्री कृपाल परमार : जब मैंने अपनी बात नहीं रखी तो उन्हें...**(व्यवधान)**...

डा0(श्रीमती) नजमा ए0 हेपतुल्ला (राजस्थान) : सर वे इसी बात...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : आपका नोटिस हमारे पास है।...**(व्यवधान)**... आपका नोटिस, मैंने कहा कि दस मिनट बाद आया...**(व्यवधान)**... विषय उन्होंने बोल दिया है। विषय बोल दिया है...**(व्यवधान)**... देखिए, ऐसे नहीं होगा।...**(व्यवधान)**... अब बताइए।...**(व्यवधान)**...

श्री कृपाल परमार : माननीय महोदय, अमेरिका के राष्ट्रपति बुश के दिल्ली के दौरे के दौरान, जब उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि पर सुमन अर्पित करने जाना था, उसके पहले अमरीकी सुरक्षा एजेंसियों ने, भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के विरोध के बावजूद, महात्मा गांधी जी की समाधि पर जिस तरीके से कुत्तों की परिक्रमा करवाई, वह राष्ट्र के लिए अपमानजनक है। इस पर सरकार को राष्ट्रपति बुश से कहकर इस देश से क्षमा याचना करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त जिस प्रकार अखबारों में खबर आ रही है कि हवाई अड्डे पर हमारे प्रधान मंत्री की भी तलाशी ली गयी *

---

* Not recorded.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What is it that you are talking? That will not go on record. ...(*Interruptions*).. That will not go on record. पाणि जी, आप बैठिए। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : चर्चा नहीं है...(व्यवधान)... वे आपको सपोर्ट करना चाहते हैं।...(व्यवधान)... वे सपोर्ट करना चाहते हैं।...(व्यवधान)...

SHRI VIKRAM VERMA: How can he respond?...(*Interruptions*)...Only the Minister can respond to this...(*Interruptions*)...

श्री राजीव शुक्ल : मैं सपोर्ट कर रहा हूं।...(व्यवधान)... आपको सपोर्ट कर रहा हूं। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : शुक्ल जी, आप क्या बोलना चाहते हैं? ...(व्यवधान)... बोल दीजिए।

श्री राजीव शुक्ल (उत्तर प्रदेश) : मान्यवर, जो बात कृपाल परमार जी ने उठाई है ...(व्यवधान)... मैं सपोर्ट कर रहा हूं। ...(व्यवधान)... पुंज जी, आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... मैं सपोर्ट कर रहा हूं।...(व्यवधान)... मान्यवर, जो बात कृपाल परमार जी ने उठाई है...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : वे सपोर्ट कर रहे हैं।

श्री राजीव शुक्ल : यह मामला बहुत गंभीर है।...(व्यवधान)... मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि क्या पहले भी कभी इस तरह की सिक्योरिटी ड्रिल हुई है? क्या इस तरह के स्निफर डॉग भेजे गए? और क्लिंटन जब यहां आए थे, जब उनकी गवर्नमेंट थी, तब भी क्या इस तरह की सिक्योरिटी ड्रिल हुई थी, मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं।...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : बैठ जाइए...बैठ जाइए। ऑनरेबल मिनिस्टर, बोलिए।...(व्यवधान)...

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी) : आदरणीय उपसभापति महोदय, हमारे देश में जब कोई राजकीय अतिथि आते हैं, तो प्रायः वे राजघाट पर हमारे राष्ट्रपिता को सम्मान व्यक्त करने के लिए जाते हैं। इसी तारतम्य में अमेरिका के राष्ट्रपति श्री बुश की भी यात्रा हुई, तो उन्होंने राजघाट पर विज़िट किया और राजघाट पर विज़िट करने से पहले, सामान्य तौर पर जो स्टैंडर्ड सिक्योरिटी ड्रिल होती है, उसी को जारी रखते हुए यह प्रक्रिया अपनाई गई। प्रश्न यह उठा कि क्या यह प्रक्रिया पहले जब कोई राजकीय अतिथि आए, तब अपनाई गई? इससे पहले कि मैं उस पर दृष्टिपात करूं, मैं आपको स्मरण कराना चाहता हूं कि यह राजघाट वही पुण्य स्थान है, पुण्य स्थान मैं श्रद्धा से कह रहा हूं, लेकिन यह वही राजघाट है, जहां पर हमारे दिवंगत नेता राजीव गांधी जी जब श्रद्धा व्यक्त करने गए थे, तब उन पर प्राणघातक अलकल हमला हुआ था। रही बात कि क्या पहले ऐसी स्टैंडर्ड सिक्योरिटी ड्रिल हुई है, मैं सोचता हूं कि विपक्ष में हमारे जो साथी हैं, वे सरकार में रह चुके हैं। वे इस बात की या तो पुष्टि करेंगे, या उनकी जानकारी में होगी, या वे जानकारी हासिल कर लेंगे कि पहले जो मुझे सूचित किया गया है, इस स्टैंडर्ड सिक्योरिटी ड्रिल की प्रक्रिया के अंतर्गत पहले भी यही प्रक्रिया ...(व्यवधान)... मैं रिकॉर्ड पर

बोल रहा हूं, आप रिकॉर्ड पर इसका खंडन कर दीजिए, मैं रिकॉर्ड पर बोल रहा हूं। तो पहले भी इसी प्रकार की क्लिप की गई है। जहां तक राष्ट्रपिता के प्रति सम्मान की बात है, यह सदन और यह देश हमेशा उनका सम्मान करता रहा है। वे हमारे देश के राष्ट्रपिता तो थे ही, पूरे विश्व के लोगों के मन में उनके प्रति सम्मान है और इसीलिए जब कोई राजकीय अतिथि आते हैं, तो वे वहां जाते हैं। ...(व्यवधान)...

SHRI BALBIR K. PUNJ: Sir, we would like to know whether the hon. Prime Minister was searched at the airport.

श्री सुरेश पचौरी : सर, दूसरा प्वाइंट... दूसरा प्वाइंट...(व्यवधान)... दो मिनट...दो मिनट चाहिए। कलराज जी, आप एक मिनट, मुझे पूरा करने दीजिए, मैं आपकी बात भी कर रहा हूं। सर, आदरणीय कृपाल परमार जी ने दूसरी बात उठाई कि अमेरिकी राष्ट्रपति की अगवानी के लिए जब प्रधान मंत्री जी एयरपोर्ट पर गए, तो उनकी तलाशी ली गई। यह सर्वथा गलत है, इसका खंडन प्रधान मंत्री कार्यालय से उनके मीडिया के सलाहकार कर चुके हैं। जहां तक तलाशी का प्रश्न है, तो मुझे सम्मान से कहने दीजिए कि एन.डी.ए. के convenor जब अमेरिका गए थे, जॉर्ज फर्नांडीज, तो कैसे कपड़े उतारकर उनकी तलाशी ली गई थी ...(व्यवधान)... तब ये सारे लोग चुप थे।...(व्यवधान)... उनकी तलाशी हुई थी। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, the Contempt of Courts (Amendment) Bill, 2006. The hon. Minister may move the Bill. ...*(Interruptions)*.

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश) : स्टेंडर्ड सिक्युरिटी के लिए क्या कुत्ते पहले गए थे, यह जानना चाहिए? ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य : हां डॉग्स इसमें गए थे।...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : आप बैठिए, आप बैठिए।...(व्यवधान)... नहीं-नहीं, वह नहीं है। ...(व्यवधान)... No; No. ...*(Interruptions)*... I have taken the other subject; the Contempt of Courts (Amendment) Bill, 2005. The hon. Minister, Shri Hansraj Bhardwaj to move the Bill.

श्री दीपांकर मुखर्जी (पश्चिमी बंगाल) : सर, अब हालत यह हो गई है कि बिल क्लिंटन के कुत्ते और जार्ज डब्लू बुश के कुत्ते...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : अब जब हो गया तो अब कुछ नहीं होगा।...(व्यवधान)... यहां हम कंटेम्प्ट आफ कोर्ट बिल को ले रहे हैं।...(व्यवधान)...

श्री दीपांकर मुखर्जी : ऐसा है, हम तो विरोध कर रहे थे बुश का, लेकिन अब यह कुत्तों का भी विरोध हो रहा है। हम तो कह रहे हैं कि बिल क्लिंटन के कुत्ते और जार्ज डब्लू बुश के कुत्ते ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : ठीक है, ठीक है।...(व्यवधान)... बैठिए, बैठिए।...(व्यवधान)...

श्री दीपांकर मुखर्जी : ये उन कुत्तों का विरोध कर रहे हैं ...**(व्यवधान)**... बुश का विरोध क्यों नहीं करते? ...**(व्यवधान)**...

श्री कलराज मिश्र : आप यह पता लगाइए,...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : कलराज मिश्र जी, आप बैठिए।...**(व्यवधान)**... This subject is over. Nothing will go on record. This is over. मंत्री जी आप बोलिए।

GOVERNMENT BILL

The contempt of courts (Amendment) Bill, 2006

THE MINISTER OF LAW AND JUSTICE (SHRI H.R. BHARDWAJ): Sir, I move:

> "That the Bill further to amend the Contempt of Courts Act, 1971, as passed by Lok Sabha, be taken into consideration."

(THE VICE-CHAIRMAN, (SHRI KALRAJ MISHRA) in the Chair)

Sir, I would like to make a brief comment before I request the House to take up this Bill. The House is aware that the existing provisions of the Contempt of Courts Act, 1971 has been interpreted by various courts and judicial decisions to the effect that truth cannot be treated as a defence to a charge of contempt of court. It was the law. Therefore, after a lot of discussions in the legal and judicial circles, it was thought that there is room to amend this law and make the truth one of the valid defence. Some eminent jurists expressed their views and wrote articles also, and suggested that the truth can be a very valid defence subject to the court permitting it.

I am also happy to inform that the previous Government started this task and the matter was referred to the National Commission to Review the Working of the Constitution. The Constitution Review Committee, headed by hon. Justice Venkatachaliah, *inter alia*, recommended that in matters of contempt it shall be open to the Court to permit a defence of justification by truth. The Government has been advised that amendments to the Contempt of Courts Act, 1971 to provide for the above provision would introduce fairness in procedure and meet the requirements of article 21 of the Constitution. So, Sir, Section 13 of the Contempt of Courts Act, 1971 provides certain circumstances under which contempt is not